



इस पुस्तिका में 20 मुद्रित पृष्ठ हैं।



Do not open this Test Booklet until you are asked to do so.

इस परीक्षा पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक कहा न जाए।

Read carefully the Instructions on the Back Cover (Page 19 & 20) of this Test Booklet.

इस परीक्षा पुस्तिका के पिछले आवरण (पृष्ठ 19 व 20) पर दिए गए निर्देशों को ध्यान से पढ़ें।

For instructions in Bengali see Page 2 of this booklet. / बंगला में निर्देशों के लिए इस पुस्तिका का पृष्ठ 2 देखें।

INSTRUCTIONS FOR CANDIDATES

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. This booklet is a supplement to the Main Test Booklet for those candidates who wish to answer **EITHER** Part IV (Language I) **OR** Part V (Language II) in **BENGALI** language, but **NOT BOTH**.
2. Candidates are required to answer Parts I, II, III from the Main Test Booklet and Parts IV and V from the languages chosen by them.
3. Questions on English and Hindi languages for Part IV and Part V have been given in the Main Test Booklet. Language Supplements can be asked for separately.
4. Use **Blue/Black Ball Point Pen only** for writing particulars on this page/markings responses in the Answer Sheet.
5. The CODE for this Language Booklet is **B**. Make sure that the CODE printed on **Side-2** of the Answer Sheet and on your Main Test Booklet is the same as that on this Language Supplement Booklet. In case of discrepancy, the candidate should immediately report the matter to the Invigilator for replacement of the Language Supplement Test Booklet.
6. This Test Booklet has **two** Parts, IV and V consisting of **60** Objective Type Questions, and each carries 1 mark :  
Part IV : Language I – (Bengali) (Q. Nos. 91 – 120)  
Part V : Language II – (Bengali) (Q. Nos. 121 – 150)
7. Part IV contains 30 questions for Language I and Part V contains 30 questions for Language II. In this Test Booklet, only questions pertaining to Bengali language have been given. **In case the language(s) you have opted for as Language I and/or Language II is a language other than Bengali, please ask for a Supplement (Language) Test Booklet of B Code that contains questions on that language. The languages being answered must tally with the languages opted for in your Application Form. No change in languages is allowed.**
8. Candidates are required to attempt questions in **Language II (Part V) in a language other than the one chosen as Language I (Part IV) from the list of languages.**
9. Rough work should be done only in the space provided in the Test Booklet for the same.
10. The answers are to be recorded on the OMR Answer Sheet only. Mark your responses carefully. No whitener is allowed for changing answers.
1. यह पुस्तिका मुख्य परीक्षा पुस्तिका की एक परिशिष्ट है, उन परीक्षार्थियों के लिए जो या तो भाग IV (भाषा I) या भाग V (भाषा II) **बंगला** भाषा में देना चाहते हैं, लेकिन **दोनों नहीं**।
2. परीक्षार्थी भाग I, II, III के उत्तर मुख्य परीक्षा पुस्तिका से दें और भाग IV व V के उत्तर उनके द्वारा चुनी भाषाओं से।
3. अंग्रेजी व हिन्दी भाषा पर प्रश्न मुख्य परीक्षा पुस्तिका में भाग IV व भाग V के अन्तर्गत दिए गए हैं। भाषा परिशिष्टों को आप अलग से माँग सकते हैं।
4. इस पृष्ठ पर विवरण अंकित करने एवं उत्तर पत्र पर निशान लगाने के लिए **केवल नीले/काले बॉल पॉइंट पेन** का प्रयोग करें।
5. इस भाषा पुस्तिका का कोड **B** है। यह सुनिश्चित कर लें कि इस भाषा परिशिष्ट पुस्तिका का कोड, उत्तर पत्र के **पृष्ठ-2** एवं मुख्य प्रश्न पुस्तिका पर छपे कोड से मिलता है। अगर यह भिन्न हो तो परीक्षार्थी दूसरी भाषा परिशिष्ट परीक्षा पुस्तिका लेने के लिए निरीक्षक को तुरन्त अवगत कराएँ।
6. इस परीक्षा पुस्तिका में दो भाग IV और V हैं, जिनमें **60** वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं, तथा प्रत्येक 1 अंक का है :  
भाग IV : भाषा I – (बंगला) (प्रश्न सं. 91 – 120)  
भाग V : भाषा II – (बंगला) (प्रश्न सं. 121 – 150)
7. भाग IV में भाषा I के लिए 30 प्रश्न और भाग V में भाषा II के लिए 30 प्रश्न दिए गए हैं। इस परीक्षा पुस्तिका में केवल बंगला भाषा से सम्बन्धित प्रश्न दिए गए हैं। **यदि भाषा I और/या भाषा II में आपके द्वारा चुनी गई भाषा(एँ) बंगला के अलावा है/हैं, तो कृपया B कोड वाली उस भाषा वाली परिशिष्ट (भाषा) परीक्षा पुस्तिका माँग लीजिए। जिन भाषाओं के प्रश्नों के उत्तर आप दे रहे हैं वह आवेदन पत्र में चुनी गई भाषाओं से अवश्य मेल खानी चाहिए। भाषाओं का परिवर्तन अनुमत्य नहीं है।**
8. परीक्षार्थी भाषा II (भाग V) के लिए, भाषा सूची से ऐसी भाषा चुनें जो उनके द्वारा भाषा I (भाग IV) में चुनी गई भाषा से भिन्न हो।
9. रफ कार्य परीक्षा पुस्तिका में इस प्रयोजन के लिए दी गई खाली जगह पर ही करें।
10. सभी उत्तर केवल OMR उत्तर पत्र पर ही अंकित करें। अपने उत्तर ध्यानपूर्वक अंकित करें। उत्तर बदलने हेतु श्वेत रंजक का प्रयोग निषिद्ध है।

Name of the Candidate (in Capital Letters) : \_\_\_\_\_

परीक्षार्थी का नाम (बड़े अक्षरों में) : \_\_\_\_\_

Roll Number (अनुक्रमांक) : in figures (अंकों में) \_\_\_\_\_

: in words (शब्दों में) \_\_\_\_\_

Centre of Examination (in Capital Letters) : \_\_\_\_\_

परीक्षा केन्द्र (बड़े अक्षरों में) : \_\_\_\_\_

Candidate's Signature : \_\_\_\_\_ Invigilator's Signature : \_\_\_\_\_

परीक्षार्थी के हस्ताक्षर : \_\_\_\_\_ निरीक्षक के हस्ताक्षर : \_\_\_\_\_

Facsimile signature stamp of Centre Superintendent \_\_\_\_\_



বর্তমান পুস্তিকাটি 20 পৃষ্ঠা মুদ্রিত ।

**MAK-23-I**

পরীক্ষা পুস্তিকা কোড

**প্রশ্ন পত্র I**

**ভাগ IV & V**

**বাংলা ভাষা পরিশিষ্ট**

**B**

যতক্ষণ পর্যন্ত না বলা হবে, ততক্ষণ পর্যন্ত পরীক্ষা পুস্তিকাটি খুলবেন না ।

পরীক্ষা পুস্তিকাটির পিছনের আবরণীতে (পৃষ্ঠ 19 এবং 20) মুদ্রিত নির্দেশ গুলি মন দিয়ে পড়ুন ।

**পরীক্ষার্থীদের প্রতি নির্দেশ**

- যে সব পরীক্ষার্থী বাংলা ভাষায় ভাগ IV (ভাষা I) (Part IV, Language I) অথবা ভাগ V (ভাষা II) (Part V, Language II) – এর কিন্তু দুটিরই নয় – উত্তর দিতে চান, তাঁদের জন্য এই পুস্তিকাটি মুখ্য পরীক্ষা পুস্তিকার একটি পরিশিষ্ট বিশেষ ।
- পরীক্ষার্থীরা ভাগ I, II, III এর উত্তর মুখ্য পরীক্ষা পুস্তিকা থেকে দেবেন এবং ভাগ IV এবং V এর উত্তর তাদের নিজেদের নির্বাচিত ভাষার থেকে দেবেন ।
- ইংরেজি এবং হিন্দি ভাষার উপর প্রশ্ন মুখ্য পরীক্ষা পুস্তিকার ভাগ IV এবং ভাগ V এ দেওয়া আছে । পরীক্ষার্থীরা আলাদা করে ভাষা-পরিশিষ্টগুলি (Language Supplements) চেয়ে নিতে পারেন ।
- এই পৃষ্ঠার বিবরণ গুলি লেখার জন্য এবং উত্তর পত্রে উত্তর চিহ্নিত করণের জন্য কেবলমাত্র নীল/কালো বল্ পয়েন্ট পেনই ব্যবহার করতে হবে ।
- বর্তমান ভাষা-পুস্তিকার (Language Booklet) কোড **B**. এই ভাষা পরিশিষ্ট পুস্তিকার কোড এবং উত্তর পত্রের দ্বিতীয় পৃষ্ঠায় মুদ্রিত কোড ও মুখ্য পরীক্ষা পুস্তিকার উপরে মুদ্রিত কোড একই কি না, পরীক্ষার্থীরা সেটা অবশ্যই নিশ্চিত হয়ে নেবেন । কোড এক না হলে পরীক্ষার্থী অবিলম্বে পরীক্ষা নিরীক্ষক (invigilator) – এর দৃষ্টি আকর্ষণ করবেন এবং তাকে ভাষা পরিশিষ্ট পরীক্ষা পুস্তিকাটি বদলে দিতে বলবেন ।
- এই পরীক্ষা পুস্তিকাটি IV এবং V – এই দুই ভাগে বিন্যস্ত এবং এর মধ্যে 60টি বস্তুনিষ্ঠ প্রশ্ন (Objective Type Questions) বর্তমান । প্রতিটি বস্তুনিষ্ঠ প্রশ্ন 1 নম্বরের ।  
ভাগ IV : ভাষা I – (বাংলা) (প্রশ্ন সংখ্যা : 91 থেকে 120)  
ভাগ V : ভাষা II – (বাংলা) (প্রশ্ন সংখ্যা : 121 থেকে 150)
- ভাগ IV এ ভাষা I এর জন্য আছে 30টি প্রশ্ন এবং ভাগ V এ ভাষা II এর জন্য আছে 30টি প্রশ্ন । এই পরীক্ষা পুস্তিকাতে কেবল বাংলাভাষা সম্পর্কিত প্রশ্ন দেওয়া হয়েছে । যদি ভাষা I এবং/অথবা ভাষা II এর জন্য আপনার নির্বাচিত ভাষাটি (গুলি) বাংলা না হয়ে অন্য কিছু হয় – তা হলে অনুগ্রহ করে আপনার নির্বাচিত B কোড যুক্ত ভাষার পরিশিষ্ট (ভাষা) পরীক্ষা পুস্তিকা চেয়ে নিন । আপনি আপনার আবেদন পত্রে (Application Form) যে নির্বাচিত ভাষার উল্লেখ করেছেন, আপনাকে ঠিক সেই ভাষাতেই উত্তর লিখতে হবে । ভাষায় কোনও পরিবর্তন অনুমোদিত নয় ।
- পরীক্ষার্থীদের ভাষা II (ভাগ V) এর প্রশ্নোত্তরের জন্য প্রদত্ত ভাষা-তালিকা থেকে এমন একটি ভাষা নির্বাচন করতে হবে – যা তার ভাষা I (ভাগ IV) এর জন্য নির্বাচিত ভাষা থেকে আলাদা । অর্থাৎ ভাষা I (ভাগ IV) এবং ভাষা II (ভাগ V) এর প্রশ্নোত্তরের জন্য একই ভাষা নির্বাচন চলবে না ।
- পরীক্ষা পুস্তিকায় পরীক্ষার্থীর নিজের কাজ (rough work) – এর জন্য নির্দিষ্ট খালি জায়গার মধ্যেই rough work করতে হবে ।
- সব উত্তর OMR উত্তর-পত্রের মধ্যেই চিহ্নিত করতে হবে । উত্তর চিহ্নিত করণের কাজটি সাবধানতার সঙ্গে করতে হবে । উত্তর পরিবর্তনের জন্য সাদা রঙ (whitener) ব্যবহার করা চলবে না ।

পরীক্ষার্থীর নাম : \_\_\_\_\_

ক্রমিক সংখ্যা : (সংখ্যায়) \_\_\_\_\_

: (অক্ষরে) \_\_\_\_\_

পরীক্ষা কেন্দ্র : \_\_\_\_\_

পরীক্ষার্থীর স্বাক্ষর : \_\_\_\_\_ পরীক্ষা নিরীক্ষকের স্বাক্ষর : \_\_\_\_\_

Facsimile signature stamp of  
Centre Superintendent \_\_\_\_\_



যে-সব পরীক্ষার্থী বাংলা কে  
ভাষা I হিসাবে নির্বাচিত করেছেন,  
তারা-ই শুধু এই অংশের উত্তর  
দেবেন ।





**ভাগ IV**  
**ভাষা I**  
**বাংলা**

**নির্দেশ :** নীচের প্রশ্নগুলির (91 থেকে 105 নং প্রশ্ন) 92. সর্বাধিক গ্রহণযোগ্য উত্তর নির্বাচন করুন ।

91. পাঠের উপায় পাঠকের কাজ সমূহ
- A. পূর্বানুমান (Predicting) i. লেখার ধরণ থেকে লেখকের অনুভূতি নির্ধারণ
- B. অনুমান প্রচেষ্টা (Inferring attitude) ii. অপরিচিত শব্দাবলি বুঝতে সুবিধা হওয়ার জন্য পাঠের অংশগুলিকে ব্যবহার
- C. প্রসঙ্গ থেকে অর্থ নিষ্কাশন iii. শিরোনাম অথবা পরিচয়সূচক পদগুচ্ছ লক্ষ্য করে প্রদত্ত তথ্যাবলির সংগঠন প্রক্রিয়াটি অনুধাবণ
- D. নিবিড় পাঠ (Intensive reading) iv. পাঠটিতে কী ভাবে ভাষার ব্যবহার হয়েছে, সেইদিকে মনঃসংযোগ
- E. পাঠ-সংগঠন শনাক্তকরণ (Identifying text organisation) v. পাঠটির বিষয় সম্পর্কে ধারণা তৈরির জন্য বিভিন্ন শীর্ষক (titles) ও ছবি ব্যবহার

পাঠের উপায়সমূহ-এর সঙ্গে পাঠকের কাজগুলিকে মেলান ।

- (1) A-ii, B-i, C-iii, D-iv, E-v  
(2) A-i, B-iv, C-v, D-ii, E-iii  
(3) A-iv, B-iii, C-ii, D-i, E-v  
(4) A-v, B-i, C-ii, D-iv, E-iii

প্রদত্ত দৃষ্টান্তটির সঙ্গে সংগতিপূর্ণ কৌশলটি (strategy) নির্বাচন করুন ।

‘আমি ভাষার উপর মনঃসংযোগ করি, সবসময় ভাষা সঠিক কিনা নিশ্চিত হতে চাই ।’

- (1) আত্ম-পরিচালন (Self-monitoring)  
(2) পুনর্পঠন (Revising)  
(3) একাধিক ভাষাবলম্বন (Trans-languaging)  
(4) মুখস্থ করণ (Memorising)

93. দ্বিতীয় শ্রেণীর পড়ুয়ারা গান পাইছে : “মাথা আর কাঁধ দুই, হাঁটু আর পায়ের আঙুল ছুঁই ।” — গাইবার সঙ্গে সঙ্গে তারা তাদের উল্লেখিত অঙ্গপ্রত্যঙ্গগুলি ঠিক মতো ছুঁয়ে ছুঁয়ে যাচ্ছে । — শিক্ষক এখানে কোন পদ্ধতির আশ্রয় নিচ্ছেন ?

- (1) সমগ্র শারীরিক প্রতিক্রিয়া (Total Physical Response)  
(2) যোগাযোগমূলক ভাষা-শিক্ষণ (Communicative Language Teaching)  
(3) সারগ্রাহী (Eclectic)  
(4) শ্রুতি ভাষাগত (Audio-lingual)

94. শিক্ষার্থীরা দলগত ভাবে পূর্ববর্তী পাঠের শব্দ ভান্ডার বিষয়ক পাঁচটি প্রশ্নের উত্তর খুঁজেছে । তারপর তারা অন্য দলের সঙ্গে প্রশ্ন বিনিময় করেছে এবং উত্তর দেবার চেষ্টা করেছে । — এই দৃষ্টান্তটিকে বলা হবে —

- (1) পঠন মূল্যায়ণ (Reading assessment)  
(2) প্রতিজ্ঞাপন (Feedback)  
(3) সহপাঠী মূল্যায়ণ (Peer assessment)  
(4) আত্ম মূল্যায়ণ (Self-assessment)



95. শিক্ষিকা যখন একটি কার্ডের ওপর একটি শব্দ অথবা শব্দগুচ্ছ লিখে আমাকে দেন, আর আমাকে সেটা অভিনয় করে দেখাতে হয় আর ক্লাসের বাকি পড়ুয়ারা সেই শব্দটি অনুমান করার চেষ্টা করে — আমার খুব ভালো লাগে । শিক্ষার্থীদের নিম্নপ্রদত্ত পছন্দের তালিকার মধ্যে উল্লিখিত শিক্ষার্থীর মন্তব্যটি চিহ্নিত করুন ।

- (1) কার্ডে লিখিত শব্দগুচ্ছ মুখস্থ করলে আমি ভাষাটা ভালোভাবে বুঝতে পারি ।
- (2) শুনতে পেলে আমি ভাষাটা ভালোভাবে বুঝতে পারি ।
- (3) শারীরিক ভাবে যুক্ত হলে আমি ভাষাটা ভালোভাবে বুঝতে পারি ।
- (4) দেখতে পেলে আমি ভাষাটা ভালোভাবে বুঝতে পারি ।

96. মন্তব্য (A) : স্কুলে ভর্তি হওয়া সব শিশুই তাদের সমবয়সীদের মধ্যে ভাষা ব্যবহারে সক্ষম ।

কারণ (R) : ভাষা ও সংস্কৃতিগত বৈচিত্র্যের কারণে তারা তাদের সামর্থ্য প্রদর্শনে অক্ষম ।

সর্বাধিক গ্রহণযোগ্য উত্তরটি নির্বাচন করুন :

- (1) (A) ঠিক, কিন্তু (R) ভুল
- (2) (A) এবং (R) — দুটিই ঠিক, এবং (A)-র সঠিক ব্যাখ্যা (R) নয়
- (3) (A) ভুল, কিন্তু (R) ঠিক
- (4) (A) এবং (R) — দুটিই ঠিক, এবং (A)-র সঠিক ব্যাখ্যা হচ্ছে (R)

97. পঞ্চম শ্রেণির মনজিৎ তার শিক্ষিকা, তার বন্ধুবান্ধব এবং একটি দু বছরের শিশুর সঙ্গে ভিন্ন ভিন্ন ভাবে কথাবার্তা বলে । এর অর্থ মনজিৎ জানে বিভিন্ন সামাজিক পরিস্থিতিতে কীভাবে ভাষা ব্যবহার করতে হয় । — ভাষার এই বিশেষ ভূমিকাটি কোন নামে পরিচিত ?

- (1) ব্যঞ্জনাতত্ত্ব বা Pragmatics
- (2) শব্দার্থতত্ত্ব বা Semantics
- (3) কথন-কর্ম বা Act of speech
- (4) প্রকৃতিবাদী বা Naturalist

98. একজন মা লক্ষ করলেন যে তাঁর শিশু সন্তানটি মাঝে মধ্যে এমন সব কথা বলছে, যা পরিবারের বড়োদের বা অন্য সন্তানদের মুখে শোনেন নি । এতে তিনি বিমূঢ় বোধ করেন । কারণ তাঁর বিশ্বাস, কোনো শিশু তার পরিবার বা ঘনিষ্ঠজনদের অনুকরণ করেই কথা বলতে শেখে । — নীচের কোনটির মধ্যে তার এই বিশ্বাসের প্রতিফলন দেখতে পাই ?

- (1) গঠনবাদ (Constructivism)
- (2) আচরণবাদ (Behaviourism)
- (3) বহুভাষিকতা (Multilingualism)
- (4) সহজোৎপন্ন জ্ঞানবাদ (Nativism)

99. কিছু দক্ষতা শিশুর আনুষ্ঠানিক পঠন শুরুর আগেই গড়ে ওঠে এবং সেগুলি তার ভবিষ্যৎ শৈক্ষিক দক্ষতার বনিয়াদও তৈরি করে দেয় । সেই দক্ষতাগুচ্ছ হচ্ছে :

- (1) অনপেক্ষিত বিশেষত্বাবলি (Emergent properties)
- (2) অনপেক্ষিত পাঠ্যক্রম (Emergent curriculum)
- (3) অনপেক্ষিত সাক্ষরতা (Emergent literacy)
- (4) অনপেক্ষিত সমাধান (Emergent solution)



100. ঠাকুরমা বাড়িতে তাঁর নাতি-নাতনিদের বই থেকে গল্প পড়ে শোনাতে ভালোবাসেন । এই ভাবেই তিনি বই এবং নতুন নতুন ভাবনার সঙ্গে শিশুদের পরিচয় করান । শিশুরাও এই প্রক্রিয়াটির সঙ্গে সক্রিয়ভাবে যুক্ত হয়ে পড়ে । — বিশেষ এই কৌশলটিকে বলা হয় —

- (1) কথোপকথন-ভিত্তিক পঠন (Dialogic reading)
- (2) অংশীদারিত্ব মূলক পঠন (Shared reading)
- (3) সরব পঠন (Aloud reading)
- (4) আদর্শ পঠন (Model reading)

101. পঠন শেখানোর ক্ষেত্রে প্রথমেই বর্ণ ও স্বনিমের মতো বুনিয়াদি উপাদানগুলির সঙ্গে পরিচয় ঘটিয়ে, তারপর কী ভাবে স্বনিমগুলির সমন্বয়ে শব্দ গঠন করা হয় শেখানোর পর সমগ্র পাঠটি পড়ার দিকে অগ্রসর হওয়ার পদ্ধতিটিকে বলা হয় ?

- (1) সমগ্র ভাষা পদ্ধতি (Whole language approach)
- (2) বটম-আপ পদ্ধতি (Bottom-up approach)
- (3) গঠনবাদী পদ্ধতি (Structural approach)
- (4) টপ-ডাউন পদ্ধতি (Top-down approach)

102. মন্তব্য (A): ধ্বনি-উচ্চারণ ভিত্তিক বানান (phonetic spelling) শুদ্ধ বানান শিখনের সামর্থ্যকে মন্থর বা বিলম্বিত করে ।

কারণ (R): শিশু যখন প্রথাগত বানান ব্যবহারের বদলে তাদের ‘আবিষ্কৃত’ বানান ব্যবহার করে, তখন তা তাদের শুদ্ধ বানান শিখনের সামর্থ্যকে মন্থর বা বিলম্বিত করে না ।

সঠিক উত্তরটি নির্বাচন করুন :

- (1) (A) ঠিক, কিন্তু (R) ভুল
- (2) (A) এবং (R) — দুটিই ঠিক, এবং (A)-র সঠিক ব্যাখ্যা (R) নয়
- (3) (A) ভুল, কিন্তু (R) ঠিক
- (4) (A) এবং (R) — দুটিই ঠিক, এবং (A)-র সঠিক ব্যাখ্যা হচ্ছে (R)

103. নতুন কোনো ভাষা শিক্ষাকালীন অবস্থায় অনেক শিক্ষার্থীই সেই ভাষার অন্য উচ্চারণ বিধির কারণে ভাষাটি বলতে গিয়ে আত্মবিশ্বাসের অভাব বোধ করে । — সমস্যাটি দূর করার একটি উপায় হচ্ছে —

- (1) কোনো পেশাদার পরামর্শদাতাকে (counsellor) দিয়ে স্পিচ থেরাপি বা বাচন-পরিচর্যার ব্যবস্থা করা এবং শিক্ষার্থীদের দিয়ে পুনঃ পুনঃ অনুশীলন করানো
- (2) ক্লাসে শিশুদের মধ্যে পারস্পরিক কথোপকথনের প্রয়োজন হবে তেমন ক্রীড়ামূলক কার্যাবলি প্রদান
- (3) ভুল হলেই তা সংশোধন করে দেওয়া
- (4) ক্লাসে শিশুদের দিয়ে সরব পাঠ করানো



104. ক্লাস থ্রি-র একজন শিক্ষিকা শিক্ষার্থীদের নতুন শব্দাবলির সঙ্গে পরিচয় করাতে চান । এ ক্ষেত্রে নিম্নলিখিত কোনটি একটি কার্যকর উপায় ?

- (1) শিক্ষিকার উচিত নির্দিষ্ট প্রয়োগ-পরিস্থিতিতে রেখে শব্দগুলির অর্থ ব্যাখ্যা করা
- (2) শিক্ষিকার উচিত শব্দগুলির সংক্ষিপ্ত সংজ্ঞা প্রদান করা
- (3) শিক্ষিকার উচিত ব্ল্যাক বোর্ডে শব্দগুলির অর্থ লিখে দেওয়া এবং শিক্ষার্থীদের সেগুলি মুখস্থ করতে বলা
- (4) শিক্ষিকার উচিত শিক্ষার্থীদের সেই সব শব্দের বিপরীতার্থক শব্দ জানানো এবং তাদের ভাষাতেই সেগুলির অর্থ বলে দেওয়া

105. কোনো ভাষা-লিখন হচ্ছে একটি \_\_\_\_\_ ব্যাপার ।

- (1) উৎপাদ (product)-এর
- (2) প্রক্রিয়া (process)-এর
- (3) দক্ষতা (skill)-এর
- (4) অর্জন (acquisition)-এর

**নির্দেশ :** নিম্নোক্ত কবিতাটি পড়ে সংশ্লিষ্ট প্রশ্নগুলির (106 থেকে 111 নং প্রশ্ন) সর্বাধিক গ্রহণযোগ্য উত্তর নির্বাচন করুন ।

ভাষার কথা থাক, এসো ভাবের কথা বলি  
হাজার রকমের ভাষা । তাদের হাজার ঠিকানা —  
আমি পৈতে দেখালাম; তুমি তসবি দেখালে  
আমি ত্রিশূল দেখালাম তুমি চাপাতি দেখালে  
আমি শাড়ি দেখালাম তুমি দোপাট্টা দেখালে  
অন্ধকার রাস্তার এগুলোর কোনওটাই কাজে  
লাগবে না কারও ।

আবার ধরা যাক রাস্তা সব ঠিক আছে  
চারদিকে আলো আছে খুব,  
কিন্তু অন্ধ মানুষ কী ভাবে এগোবে ?  
কথাটা অন্ধ অথবা অন্ধকার নিয়ে নয়  
কথাটা সড়ক কিংবা ভুলভুলাইয়া নিয়ে নয়  
আমরা ভুলে গেছি কীভাবে ধরে থাকতে  
হয় পরস্পরের হাত ।

নিজের ঘর, নিজের খাবারের থালা  
নিজের ওয়ার্ড্রোব, নিজের গাড়ি সবকিছু  
বুকে ধরে আগলে রাখতে রাখতে রাখতে  
হাত দুটো বহুদিন ছোট থেকে ছোট হতে হতে  
কনুই পর্যন্ত এসে শেষ হয়ে গেছে । আমাদের  
কারও বাহ নেই, হাতে কোনও আঙুল  
নেই কনুইয়ের থেকে সব বাদ

আঙুল ধরে আজকাল হাঁটে না কেউই  
অথচ সবাই কনুই চালাতে কিন্তু দারুণ ওস্তাদ ।

106. কবিতাটির মূল বর্ণনীয় বিষয় কী ?

- (1) বর্তমান সময়ের এক বিপজ্জনক প্রবণতা
- (2) বর্তমান সময়ের এক হাস্যকর প্রবণতা
- (3) বর্তমান সময়ের এক গৌরবজনক প্রবণতা
- (4) বর্তমান সময়ের এক বিস্ময়কর প্রবণতা

107. ‘ভাষার কথা থাক’ — বলে কবি কী বোঝাতে চান ?

- (1) ভাষাগত মাধুর্যের কথা থাক
- (2) ভাষাগত বিভিন্নতার কথা থাক
- (3) ভাষাগত পাণ্ডিত্যের কথা থাক
- (4) ভাষাগত অভিন্নতার কথা থাক



108. 'পৈতে' ও 'তসবি' শব্দ দুটি এখানে কীসের দ্যোতনা বহন করছে ?

- (1) ধর্মাচারগত পবিত্রতার
- (2) ধর্মাচারগত ঐক্যের
- (3) ধর্মাচারগত চমৎকারিত্বের
- (4) ধর্মাচারগত পার্থক্যের

109. 'আমি ত্রিশূল দেখালাম তুমি চাপাতি দেখালে ।'  
— এখানে আমরা উভয়েই দেখালাম —

- (1) ধর্মীয় সাম্য
- (2) ধর্মীয় অসহিষ্ণুতা
- (3) ধর্মীয় মহত্ত্ব
- (4) ধর্মীয় সহিষ্ণুতা

110. কবিতাটিতে কনুইয়ের ভূমিকা —

- (1) পারস্পরিক নির্ভরযোগ্যতা সৃষ্টিকারীর
- (2) পারস্পরিক সৌহার্য সৃষ্টিকারীর
- (3) পারস্পরিক বিচ্ছিন্নতা সৃষ্টিকারীর
- (4) পারস্পরিক নিরাপত্তা সৃষ্টিকারীর

111. 'ভুলভুলাইয়া'-র অর্থ —

- (1) গোলক ধাঁধা
- (2) কাঁচা রাস্তা
- (3) গোলোকধাম
- (4) ভুলপথ

**নির্দেশ :** নিম্নোক্ত গদ্যাংশটি পড়ে সংশ্লিষ্ট প্রশ্নগুলির (112 থেকে 120 নং প্রশ্ন) সর্বাধিক গ্রহণযোগ্য উত্তর নির্বাচন করুন ।

বর্তমানের জীবনে দুইটি পর্ব । প্রথম হল ছাত্রাবস্থা যার সঙ্গে সেদিনের ব্রহ্মচর্য আশ্রমের তুলনা করা যায় । আর দ্বিতীয় পর্ব হল সংসার বা কর্মজীবন, যেটার ব্যাপ্তি জীবনের শেষ দিন পর্যন্ত । সেকালের শেষ দুটি আশ্রম — বানপ্রস্থ এবং যতি — এখন বিলুপ্ত । আজকাল অতিশৈবেই পাঠক্রম শুরু হয় এবং স্কুল কলেজ পেরিয়ে স্নাতক পর্যায়ে পৌঁছতে অন্তত ১৫ বছর শিক্ষাগ্রহণ করতে হয় । সেই প্রাচীনকালে বালক যখন নিজেই চলাফেরা করতে এবং নিজের দৈনন্দিন প্রয়োজনের কাজ নিজেই করতে পারত তখন তাঁকে ব্রহ্মচর্য আশ্রমে প্রবেশ করতে হত । পিতামাতার সান্নিধ্য ছেড়ে তাকে গুরুগৃহে যেতে হত শিক্ষালাভের জন্য । প্রায়ই গুরুগৃহ হত লোকালয় থেকে দূরে বনপ্রান্তে । গুরু এবং গুরুপত্নীর স্নেহে সে লালিত হত । শিক্ষার্থী ব্রহ্মচারী গুরুদেবের পরিবারেরই একজন হয়ে যেতেন । আচার্য, আচার্য্যানী এবং শিষ্যরা সবাই একসঙ্গে অভাব-প্রাচুর্য, দুঃখসুখ সমভাবে বরণ করতেন । শুধু শিক্ষার্থীর পঠন-পাঠন নয়, তার ভরণপোষণের দায়িত্বও গুরুই গ্রহণ করতেন । শিক্ষার্থীকে কোনো অর্থ দিতে হত না । একটা প্রথা ছিল : দিনের কোনো এক সময়ে প্রত্যেক শিক্ষার্থীই ঝুলি নিয়ে ভিক্ষা-সংগ্রহে বের হতেন । গ্রামবাসীরা সানন্দে প্রচুর ভিক্ষা দিত । ভিক্ষা করে যা পাওয়া যেত সেটা গুরুপত্নীর ভাণ্ডারে সঞ্চিত হত । তা ছাড়া, বিত্তবানেরা এবং প্রাক্তন শিক্ষার্থীরাও গুরুর আশ্রমে সাহায্য পাঠাতেন । সবাই এই দানকে পুণ্যকর্ম বলে মনে করেতেন । তা থেকেই গুরুগৃহের সরল জীবনযাত্রা চলে যেত । গুরু-পরিবারের একজন বলে তখন তাকে 'অন্তবাসী' বলা হত ।





112. গদ্যাংশটিতে প্রাচীন যুগের কয়টি আশ্রমের নাম উল্লেখ করা হয়েছে ?

- (1) তিনটি
- (2) দুটি
- (3) চারটি
- (4) একটি

113. গদ্যাংশ অনুযায়ী ব্রহ্মচর্যাশ্রমে প্রবেশের আবশ্যিক শর্ত কী ছিল ?

- (1) নিঃসঙ্গ জীবন কাটাতে পারা
- (2) উচ্চ মেধা
- (3) নিজের কাজ নিজে করতে পারা
- (4) আর্থিক স্বাচ্ছন্দ্য

114. প্রাচীন শিক্ষাব্যবস্থায় সাধারণ গ্রামবাসীরা কীসের ভূমিকা পালন করত ?

- (1) নিষ্ক্রিয় দর্শকের
- (2) পরিদর্শকের
- (3) সমালোচকের
- (4) পৃষ্ঠপোষকের

115. গদ্যাংশটি পড়ে বোঝা যায় যে প্রাচীন কালে —

- (1) আনন্দের সঙ্গে শিক্ষার কোনো যোগ ছিল না
- (2) সমষ্টিগত জীবনযাপন প্রণালিও শিক্ষার অন্তর্গত ছিল
- (3) বাস্তব জীবনের সঙ্গে শিক্ষার কোনো যোগ ছিল না
- (4) নিঃসঙ্গ জীবনযাপন প্রণালিও শিক্ষার অন্তর্গত ছিল ।

116. উদ্ধৃত গদ্যাংশে কোন শব্দটির দ্বীলিপ্সের উল্লেখ অনুপস্থিত ?

- (1) পিতা
- (2) গুরু
- (3) শিষ্য
- (4) আচার্য

117. ‘..সবাই এক সঙ্গে অভাব-প্রাচুর্য, দুঃখসুখ সমভাবে বরণ করতেন ।’ — এখানে ‘অভাব-প্রাচুর্য’ বলতে কী বোঝানো হয়েছে ?

- (1) প্রাচুর্যের অভাব
- (2) অভাব বনাম প্রাচুর্য
- (3) অভাবের প্রাচুর্য
- (4) অভাব ও প্রাচুর্য

118. ‘গ্রামবাসীরা সানন্দে প্রচুর ভিক্ষা দিত ।’ — কারণ

- (ক) গ্রামবাসীরা সবাই বিত্তবান ছিল ।
- (খ) গ্রামবাসীরা একে পুণ্যকর্ম মনে করত ।
- (1) কারণ (ক) এবং (খ) — দুটোই ঠিক
- (2) কারণ (ক) ঠিক, (খ) ভুল
- (3) কারণ (ক) এবং (খ) — দুটোই ভুল
- (4) কারণ (ক) ভুল, (খ) ঠিক

119. উদ্ধৃত বর্ণনা অনুযায়ী, সেকালের ছাত্রাবস্থা ছিল —

- (1) সহজ সরল এবং সুসমঞ্জস
- (2) কষ্টসাধ্য এবং দীর্ঘ
- (3) অনায়াসসাধ্য এবং হ্রস্ব
- (4) জাঁকসমকপূর্ণ এবং অসমঞ্জস

120. নিম্নলিখিত কোন পদটি কর্ম তৎপুরুষ সমাসের দৃষ্টান্ত ?

- (1) পঠন-পাঠন
- (2) ভরণপোষণ
- (3) শিক্ষাগ্রহণ
- (4) গুরুগৃহ



যে-সব পরীক্ষার্থী বাংলা কে  
ভাষা II হিসাবে নির্বাচিত করেছেন,  
তারা-ই শুধু এই অংশের উত্তর  
দেবেন ।





**ভাগ V**  
**ভাষা II**  
**বাংলা**

**নির্দেশ :** নীচের প্রশ্নগুলির (121 থেকে 135 নং প্রশ্ন) সর্বাধিক গ্রহণযোগ্য উত্তর নির্বাচন করুন ।

**121.** এক মা তাঁর দ্বিতীয় শ্রেণীর শিশুর শিক্ষিকাকে বললেন যে, তিনি লক্ষ করেছেন তাঁর শিশু সন্তানটি মাঝেমধ্যে এমন সব কথা বলেছে, যা পরিবারের বড়োদের বা অন্য সন্তানদের মুখে শোনেননি । এটা কী ভাবে সম্ভব ? — প্রশ্নটির যথোচিত উত্তর কোনটি ?

- (1) আমরা যখন শিশুর ভাষা বিকাশের ক্ষমতাকে জোরদার করে তুলি, তখন সে ভাষা শেখে
- (2) মানব মস্তিষ্ক অভ্যন্তরীণ ভাবেই ভাষা-শিখনের জন্য প্রস্তুত থাকে
- (3) গঠন বা নির্মাণবাদী (constructivist) পদ্ধতি অনুযায়ী, শিশুরা নতুন ভাষা আবিষ্কার করতে সক্ষম
- (4) শিশুরা কেবলমাত্র অনুকরণের মাধ্যমেই ভাষা শেখে

**122.** প্রারম্ভিক সাক্ষরতাকে সুগম করার অন্যতম কৌশল হচ্ছে একজন প্রাপ্তবয়স্ক এবং একটি শিশু একই বই নিয়ে বসবে । সেখানে প্রাপ্তবয়স্ক শিশুটিকে প্রশ্ন করবে এবং কথা বলার জন্য প্রোৎসাহিত করবে । এরপর ভূমিকা বদল হবে এবং এবার শিশুটি প্রাপ্তবয়স্ককে প্রশ্ন করবে । — এই বিশেষ কৌশলটিকে বলা হয় —

- (1) সংলাপ-ভিত্তিক পাঠ (Dialogic reading)
- (2) অংশীদারি পাঠ (Shared reading)
- (3) গল্প কথন (Story-telling)
- (4) আদর্শ পাঠ (Model reading)

**123.** শিক্ষক শিক্ষার্থীর শ্রবণ দক্ষতার বিকাশ ঘটাতে পারেন —

- (1) শিক্ষার্থীকে বিভিন্ন সূত্র এবং লোকজনের কথাবার্তা শোনার এবং শ্রবণ-ভিত্তিক কার্যাবলিতে নিযুক্ত হওয়ার সুযোগ সৃষ্টি করে
- (2) অন্যান্য দক্ষতার সঙ্গে যুক্ত না করে কেবল শ্রবণদক্ষতার উপর জোর দিয়ে
- (3) শিক্ষার্থীকে নিষ্ক্রিয়ভাবে (passively) সবকিছু শুনতে দেওয়ার মাধ্যমে
- (4) ক্লাসের ভিতরে এবং বাইরে শিক্ষার্থীর সঙ্গে ধারাবাহিকভাবে কথা বলার মাধ্যমে

**124.** মন্তব্য (A) : প্রাথমিক স্তরে ভাষাগত নির্ভুলতা বা শুদ্ধতার গুরুত্ব সবচেয়ে বেশি ।

কারণ (R) : ব্যাকরণ প্রাথমিক পাঠক্রমের একটি অবিচ্ছেদ্য অংশ ।

নিম্নপ্রদত্ত বিকল্পগুলি থেকে সঠিক উত্তরটি নির্বাচন করুন :

- (1) (A) ঠিক, কিন্তু (R) ভুল
- (2) (A) এবং (R) — দুটোই ঠিক, এবং (A)-র সঠিক ব্যাখ্যা (R) নয়
- (3) (A) ভুল, কিন্তু (R) ঠিক
- (4) (A) এবং (R) — দুটোই ঠিক, এবং (A)-র সঠিক ব্যাখ্যা হচ্ছে (R)



125. ভাষার প্রকৃতি, ভাষা-শিখনের প্রকৃতি এবং শিক্ষাবিজ্ঞানের (pedagogy) আঙিনায় এ-দুয়ের প্রয়োগ যোগ্যতা (applicability) বিষয়ক তাত্ত্বিক ও বিশ্বাসগত অবস্থান হচ্ছে —

- (1) পদ্ধতি বা Approach
- (2) আধেয় বা Content
- (3) কৌশল বা টেকনিক
- (4) পাঠ্যসূচি বা সিলেবাস

126. পার্বিক বা গঠনগত মূল্যায়ণ (Formative evaluation) হচ্ছে

- (1) পূর্ব-নির্দিষ্ট অথবা পাঠ্যক্রমের এক নির্দিষ্ট পর্যায়ে পালিত দায়িত্ব
- (2) ঘটমান উন্নয়ণ ও উৎকর্ষ (development and improvement) সম্পাদনের সঙ্গে সম্পর্কিত
- (3) অপরিবর্তনীয় (not subjected to change)
- (4) যা শিক্ষণ-শিখন প্রক্রিয়ার মধ্যে ঘটে চলে

127. প্রাথমিক শিক্ষার্থীদের পড়ানোর পরিকল্পনা করতে গিয়ে শিক্ষিকা সমগ্র শারীরিক প্রতিক্রিয়া (Total Physical Response) বা TPR পদ্ধতির উপর জোর দেবেন বলে স্থির করলেন । — প্রদেয় পাঠে TPR অন্তর্ভুক্ত করার জন্য তাঁর কী করা উচিত ?

- (1) ক্লাসে অবশ্যই কিছু শ্রবণভিত্তিক কাজ যোগ করা
- (2) এমন কিছু কার্যাবলি রাখা যা শিশুদের নিজের নিজের জায়গায় বসে থাকতে এবং জোড় বেঁধে (Pair work) অথবা দলবদ্ধভাবে কাজ করতে সাহায্য করবে
- (3) অন্য সব কার্যাবলি সরিয়ে রেখে প্রশ্ন জিজ্ঞেস করা এবং উত্তর দেবার জন্য প্রণোদিত করা
- (4) ক্লাসে অবশ্যই কিছু পরিমাণে দৈহিক কার্যাবলী যোগ করা

128. ‘কোনো ভাষা শেখা মানে হচ্ছে সেই ভাষার নিয়মাবলি শেখা ।’ — ব্যাকরণ শিক্ষণের কোন পদ্ধতিটি এই বিশ্বাসের পোষকতা করে ?

- (1) যোগাযোগমূলক (Communicative)
- (2) আরোহী (Inductive)
- (3) ব্যাকরণ-অনুবাদ (Grammar Translation)
- (4) অবরোহী (Deductive)

129. শিক্ষক পঞ্চম শ্রেণির শিক্ষার্থীদের স্বাধীন লিখন বা free writing-এর কাজ দেবার পরিকল্পনা করলেন । এক্ষেত্রে তাঁর কোনটির উপর সর্বাধিক গুরুত্ব দেওয়া উচিত ?

- (1) যথার্থতা ও সাবলীলতা — উভয়ের উপর
- (2) আধেয়র সাবলীলতার (fluency) উপর
- (3) শিক্ষার্থীদের হাতের লেখার উপর
- (4) আধেয় (content)-এর যথার্থতার উপর

130. ‘টপ-ডাউন’-এর অর্থ ‘সামগ্রিক অর্থবোধের উপস্থাপনা ।’ — ‘বটম-অপ’-এর অর্থ কী ?

- (1) পাঠের অন্তর্গত শব্দ এবং শব্দগুচ্ছগুলির উপর গুরুত্ব প্রদান
- (2) প্রাক-পঠনের (Pre-reading) উপর গুরুত্ব প্রদান
- (3) ছোটো ছোটো উত্তরমূলক প্রশ্ন জিজ্ঞাসার উপর গুরুত্ব প্রদান
- (4) পাঠবস্তু ও বিমূর্ত ধারণাগুলির উপর গুরুত্ব প্রদান



131. নীচের কোনটি একজন ভাষা-শিক্ষকের প্রাথমিক দায়িত্ব ?

- (1) শিক্ষার্থীদের বিভিন্ন শ্রেণিতে বর্গীকৃত (grouping) করা
- (2) শিক্ষণের উপযোগী আখ্যে বা বিষয় নির্বাচন করা
- (3) শিক্ষার্থীদের পাঠদান করা বা পড়ানো
- (4) শিক্ষার্থীর যোগাযোগমূলক প্রয়োজনগুলি শনাক্ত করা

132. একটি ছোট শিশু একটি বই হাতে তুলে নিল, উলটে ধরল এবং পৃষ্ঠাগুলি ওলটাতে শুরু করল । — এসবই হচ্ছে

- (1) অনপেক্ষিত বিশ্লেষণ সমূহ (emergent properties)
- (2) অনপেক্ষিত পাঠক্রম (emergent curriculum)
- (3) অনপেক্ষিত সমাধান দক্ষতা (emergent solution skills)
- (4) অনপেক্ষিত সাক্ষরতা দক্ষতা (emergent literacy skills)

133. মন্তব্য (A): শিক্ষার্থীদের ভাষা আয়ত্তীকরণের মূলে আছে নিহিত বংশানুগতির পূর্বপ্রস্তুতি । এক্ষেত্রে পরিবেশের কোনো ভূমিকা নেই ।

কারণ (R): ভাষা অর্জনের ক্ষেত্রে শিক্ষার্থী-কেন্দ্রিক শ্রেণিকক্ষ পরিবেশের খুব বড়ো প্রভাব থাকে ।

সর্বাধিক গ্রহণযোগ্য উত্তরটি নির্বাচন করুন :

- (1) (A) ঠিক, কিন্তু (R) ভুল
- (2) (A) এবং (R) — দুটিই ঠিক, এবং (A)-র সঠিক ব্যাখ্যা (R) নয়
- (3) (A) ভুল, কিন্তু (R) ঠিক
- (4) (A) এবং (R) — দুটিই ঠিক, এবং (A)-র সঠিক ব্যাখ্যা হচ্ছে (R)

134. পঠন শিক্ষণের একটি পদ্ধতি হচ্ছে উপস্থিত প্রসঙ্গটির প্রেক্ষিতে শব্দাবলির অর্থ অনুধাবনের উপর জোর দেওয়া । একে বলা হয় —

- (1) সমগ্র ভাষা (Whole language) পদ্ধতি
- (2) গোড়া থেকে উর্ধ্বমুখী বা বটম আপ পদ্ধতি
- (3) সাংগঠনিক (Structural) পদ্ধতি
- (4) যোগাযোগমূলক (Communicative) পদ্ধতি

135. কোনো ভাষায় ভাবতে এবং বলতে পারার সামর্থ্য হচ্ছে

- (1) অনপেক্ষিত সাক্ষরতা (Emergent literacy)
- (2) একজন কুশল (Proficiency) বক্তা
- (3) অধিভাষাতাত্ত্বিক (Metalinguistic) সামর্থ্য
- (4) ধ্বনিতাত্ত্বিক (Phonological) সচেতনতা

**নির্দেশ :** নিম্নোক্ত গद्याংশটি পড়ে সংশ্লিষ্ট প্রশ্নগুলির (136 থেকে 142 নং প্রশ্ন) সর্বাধিক গ্রহণযোগ্য উত্তর নির্বাচন করুন ।

কোনো বিষয়ে বারবার একই অভিজ্ঞতা অর্জন করার পর তারই ভিত্তিতে একটি প্রবাদ জন্মলাভ করে, এটাই স্বাভাবিক । এই অভিজ্ঞতা সমাজের বিভিন্ন ঘটনাবলির পরিপ্রেক্ষিতে গড়ে উঠে । স্পেন দেশীয় একটি সংজ্ঞায় পাওয়া যায়, “A proverb is a short sentence based on long experience” অর্থাৎ, “প্রবাদ হল একটি ছোটো বাক্য যার ভিত্তিতে আছে দীর্ঘ অভিজ্ঞতা ।” আশুতোষ ভট্টাচার্যের প্রদত্ত সংজ্ঞাটি হল, “প্রবাদ গোষ্ঠীজীবনের অভিজ্ঞতার সংক্ষিপ্ত সরস অভিব্যক্তি ।”



লোকসাহিত্যের অন্যান্য বিষয়ের মতো প্রবাদও গোষ্ঠীজীবনের সম্পদ । প্রবাদের ভিতর দিয়ে সমাজমানসের স্বরূপ প্রকাশ পায় । সমাজের প্রচলিত আচার-ব্যবহার, রীতি-নীতি, সবকিছুই প্রবাদের মধ্যে প্রতিফলিত হয় । ব্যঙ্গ-কৌতুক এবং বক্রোক্তি প্রবাদের প্রাণসম্পদ । অধিকাংশ প্রবাদের বিষয়বস্তু মানুষ, এ বিষয়ে কোনো সন্দেহ নেই । মানুষের স্বভাব-চরিত্র, আচার-ব্যবহার প্রবাদে মানবচরিত্রের দুর্বলতার দিকটাই বিশেষ প্রাধান্য লাভ করেছে । সেই হিসাবে মানবচরিত্রের সৎ গুণাবলি সেরকম সমাদর লাভ করেনি । আসলে প্রবাদের মাধ্যমে ঋটি-বিচ্যুতির যতখানি সমালোচনা করা হয় সে অনুপাতে গুণাবলির প্রশংসা হয় না ।

আর একটি বিষয়, প্রবাদ যতদূর সম্ভব মেয়েরাই বেশি ব্যবহার করে থাকে । তারা শুধু প্রবাদ রচনাই করে না, সেগুলি ধরে রাখারও দায়িত্ব পালন করে । প্রবাদ ব্যবহার করার পূর্বে বিভিন্ন ধরনের ভূমিকা করা হয় । যেমন, ‘কথায় বলে’, ‘কথায় আছে’, ‘সেই যে বলে’ ইত্যাদি । প্রবাদ ছোটো হলে মনে রাখা সহজ, তাই এক ছত্রের প্রবাদই বেশি শোনা যায় । একজন অনায়াসে অন্যজনের কাছ থেকে শুনে স্মরণে রাখতে পারে এবং পরে সুযোগ পেলে প্রবাদটি ব্যবহার করে । এখানে কয়েকটি উদাহরণ তুলে ধরা হল :

- (১) টেঁকি স্বর্গে গেলেও ধান ভানে ।
- (২) ঘরপোড়া গোরু সিঁদুরে মেঘ দেখলে ডরায় ।
- (৩) হরি ঘোষের গোয়াল ।
- (৪) কই মাছের জান । ইত্যাদি ।

প্রবাদ সম্পর্কে আলোচনা করতে গিয়ে যে সব বৈশিষ্ট্য বিশেষভাবে লক্ষণীয় সেগুলি হল, (১) সামাজিক অভিজ্ঞতা (২) সত্যতা (৩) প্রাচীনতা (৪) সংক্ষিপ্ততা (৫) আলংকারিকতা ।

136. গদ্যাংশটির উদ্দেশ্য কী ?

- (1) লোকসাহিত্যের একটি বিশেষ শাখার বৈশিষ্ট্য প্রদর্শন
- (2) লোক সংস্কৃতির বিভিন্ন শাখার তুলনামূলক আলোচনা
- (3) লোকসাহিত্যের একটি বিশেষ শাখার ভাষাতাত্ত্বিক বিশ্লেষণ
- (4) লোকসংস্কৃতির সামগ্রিক গুরুত্ব বর্ণনা

137. ‘প্রবাদ’ হচ্ছে —

- (ক) সুদীর্ঘ জীবন-অভিজ্ঞতার সংহত অভিব্যক্তি ।
- (খ) সমাজ-নিরপেক্ষ ব্যক্তি-অভিজ্ঞতার খন্ডিত অভিব্যক্তি ।
- (1) (ক) এবং (খ) — দুটোই ভুল
- (2) (ক) ভুল, কিন্তু (খ) ঠিক
- (3) (ক) এবং (খ) — দুটোই ঠিক
- (4) (ক) ঠিক, কিন্তু (খ) ভুল

138. এগুলির মধ্যে কোনটি প্রবাদের বৈশিষ্ট্য নয়?

- (1) সর্বজনীনতা
- (2) স্মরণযোগ্যতা
- (3) দুর্বোধ্যতা
- (4) সরসতা

139. প্রবাদের মধ্যে মানব-চরিত্রের কোন দিকটি তুলনামূলক ভাবে বেশি প্রকাশ পায় ?

- (1) দোষাবলির চেয়ে গুণাবলি
- (2) গুণাবলির চেয়ে ঋটি-বিচ্যুতির
- (3) সমালোচনাযোগ্যতার চেয়ে প্রশংসাযোগ্যতার
- (4) দুর্বলতার চেয়ে সবলতার



140. প্রবাদসমূহ সংরক্ষণের প্রধান দায়িত্ব বহন কারা করণ ?

- (1) মহিলা-সমাজ
- (2) ছাত্র-সমাজ
- (3) পুরুষ-সমাজ
- (4) পন্ডিত সমাজ

141. উল্লেখিত কোন দুটি শব্দ একই সমাসের দৃষ্টান্ত স্বরূপ ?

- (1) সমাজমানস ও ঠাটি-বিচ্যুতি
- (2) প্রাণসম্পদ ও আচার-ব্যবহার
- (3) লোক সাহিত্য ও রীতি-নীতি
- (4) রীতি-নীতি ও স্বভাব-চরিত্র

142. উদ্ধৃত “হরিষোষের গোয়াল” প্রবাদটির অর্থ কী ?

- (1) অকারণ ঝগড়াঝাঁটির জায়গা
- (2) সম্মিলিত কর্মকান্ডের জায়গা
- (3) অকারণ হই হউগোলের জায়গা
- (4) সম্মিলিত উপাসনার জায়গা

**নির্দেশ :** নিম্নোক্ত গদ্যাংশটি পড়ে সংশ্লিষ্ট প্রশ্নগুলির (143 থেকে 150 নং প্রশ্ন) সর্বাধিক গ্রহণযোগ্য উত্তর নির্বাচন করুন ।

‘মনুষ্যত্ব’ ও ‘ঈশ্বরত্ব’, ‘জীবভাব’ ও ‘দেবভাব’ এই দুই ধারার সমন্বয়ের মধ্যে শ্রীরামকৃষ্ণ দেখেছেন মানবিক গুণ বিকাশের পথে ঈশ্বর নানাভাবে প্রকাশিত হচ্ছেন মানবজীবনে । এইভাবেই মনুষ্যত্ব অর্জনের মধ্যে দিয়ে মানুষের অন্তরে ঘটেছে অখন্ড ঈশ্বরত্বের উপলব্ধি ।

শ্রীরামকৃষ্ণের মতে মানুষের ‘জীবভাব’ হয়ত তার মধ্যে সৃষ্টি করে ক্ষুদ্র স্বার্থসিদ্ধির প্রতি আকর্ষণ । ফলে সৃষ্টি হয় বৈষম্য ও সংঘাত । কিন্তু তার অন্তরের ‘দেবভাব’, শ্রীরামকৃষ্ণ দৃষ্টিতে যেটি যথার্থ মানবভাব তা তাকে এগিয়ে নিয়ে চলে বৃহত্তর মানব কল্যাণের পথে । অনাসক্ত প্রেম ও কর্ম প্রচেষ্টার মধ্যে দিয়ে জাগরিত হয় মানুষ, সমাজ, ও ঈশ্বর ভাবের ঐক্য । এরই মাঝে জন্ম নেয় এক অখণ্ড বিশ্ববোধ । এই চেতনার প্রভাবে সে অন্যের মধ্যে নিজেেকে এবং নিজের মধ্যে সকলের অস্তিত্ব উপলব্ধি করে । ফলে জীবনে উদ্বোধিত হয় এক অদ্বৈত ভাব । এটি যেন অদ্বৈত বেদান্তের ‘সর্বং খন্ডিদং ব্রহ্ম’ চেতনার জাগরণ ।

উচ্চ-নীচ, ধনী-দরিদ্র, সকল শ্রেণী, সকল সম্প্রদায় এমনকি যারা পতিত, পরিত্যক্ত সকলের মধ্যেই শ্রীরামকৃষ্ণ দেখেছেন এই অদ্বৈত চেতনার প্রকাশ । তাই তাঁর মতে, “যে ধর্মই হোক, যে মতই হোক, সকলেই সেই এক ঈশ্বরকে ডাকছে; তাই কোন ধর্ম, কোনো মতকে অশ্রদ্ধা বা ঘৃণা করতে নেই ।”

তাই পৃথিবীর যে কোন ধর্ম, আদর্শ, মত বা পথ যা — নিঃস্বার্থ কর্মের মধ্য দিয়ে মানুষের মনে অখণ্ড জীবনবোধের জাগরণ ঘটায় তাকেই তিনি গ্রহণ করেছেন, শ্রদ্ধা করেছেন । এইভাবে তাঁর সমন্বয় চেতনায় জন্ম নিয়েছে এক গণতান্ত্রিক মূল্যবোধ — ‘যত মত তত পথ ।’ পৃথিবীর এক একটি মত বা পথ যখন এক একটি দৃষ্টিভঙ্গী দিয়ে একদিকে অখণ্ড মানব সত্যের একটি রূপকে প্রকাশিত করে তখন এটি হয়ে পড়ে নিছক একটি মত বা পথ । কিন্তু সামগ্রিক মানব কল্যাণের পটভূমিতে অখণ্ড মানব সত্য আলোচনার তত্ত্ব ও তথ্য, মত ও পথ, জীবন ও আদর্শের মধ্যে ঘটে যথার্থ সমন্বয় ।



143. উদ্ধৃত গদ্যাংশটি —

- (1) জীবন সমস্যামূলক
- (2) জীবনাদর্শমূলক
- (3) জীবনবিদ্যা মূলক
- (4) জীবনীমূলক

144. ‘জীবভাব’ প্রবল হলে কোন বোধের প্রাবল্য ঘটে ?

- (1) সংকীর্ণ স্বার্থ বোধের
- (2) নিঃস্বার্থ জীবন বোধের
- (3) জীবনের ঐক্য বোধের
- (4) অখণ্ড মনুষ্যত্ব বোধের

145. শ্রীরামকৃষ্ণের মত বা বিশ্বাস অনুযায়ী —

- (ক) যথার্থ মানব ভাবই দেবভাব
- (খ) যথার্থ মনুষ্যত্বই জীবভাব
- (1) (ক) ভুল, কিন্তু (খ) ঠিক
- (2) (ক) এবং (খ) — দুটোই ভুল
- (3) (ক) ঠিক, কিন্তু (খ) ভুল
- (4) (ক) এবং (খ) — দুটোই ঠিক

146. নিম্নপ্রদত্ত বিকল্পগুলির মধ্যে থেকে ‘লক্ষ্য’ এবং ‘উপায়’-এর সঠিক সম্পর্কটি শনাক্ত করুন ।

- (1) ঈশ্বরত্ব লাভ — ক্ষুদ্র স্বার্থচেতনার প্রতি আসক্তি
- (2) অরৈত ভাব — বিভিন্নতার প্রতি অনাস্থা
- (3) অরৈত ভাব — এক বিশেষ মত ও পথের প্রতি পক্ষপাত
- (4) ঈশ্বরত্ব লাভ — অনাসক্ত প্রেম ও কর্মপ্রচেষ্টা

147. শ্রীরামকৃষ্ণের ধর্ম-বিশ্বাসের মধ্যে কী প্রতিফলিত হয় ?

- (1) সমন্বয়বাদ
- (2) স্বাতন্ত্র্যবাদ
- (3) সম্ভ্রান্তবাদ
- (4) সুবিধাবাদ

148. ‘...এমনকি যারা পতিত, পরিত্যক্ত...।’ — এখানে ‘পরিত্যক্ত’ বলতে মূলত কী বোঝাতে চাওয়া হয়েছে ?

- (1) পরিবার-পরিত্যক্ত
- (2) সমাজ-পরিত্যক্ত
- (3) বন্ধু-পরিত্যক্ত
- (4) ঈশ্বর-পরিত্যক্ত

149. ‘অনাসক্ত’ শব্দটির বিপরীতার্থক শব্দ হিসেবে কোনটি গ্রহণযোগ্য ?

- (1) উৎসুক
- (2) উদ্ধত
- (3) উদাসীন
- (4) উদ্বুদ্ধ

150. ‘সকলেই সেই এক ঈশ্বরকে ডাকছে ।’ — বাক্যটির নাস্ত্যর্থক রূপ কোনটি ?

- (1) কেউই কোনো ভিন্ন ঈশ্বরকে ডাকছে না ।
- (2) সকলেই সেই এক ঈশ্বরকে ডাকছে — তা না ।
- (3) কেউই কোনো এক ঈশ্বরকে ডাকছে না ।
- (4) সকলেই সেই এক ঈশ্বরকে ডাকছে না ।





**SPACE FOR ROUGH WORK**



## SPACE FOR ROUGH WORK



### নিম্নলিখিত নির্দেশ গুলি মন দিয়ে পড়ুন :

1. বিভিন্ন প্রশ্নের যে পদ্ধতিতে উত্তর দিতে হবে তা পরীক্ষা পুস্তিকা ব্যাখ্যা করা হয়েছে যা প্রশ্নগুলির উত্তর দেওয়ার আগে আপনার মনোযোগ সহকারে পড়া উচিত ।
2. প্রতিটি প্রশ্নের চারটি বিকল্প উত্তরের মধ্যে সঠিক উত্তর হিসেবে OMR উত্তর পত্রের পৃষ্ঠ-২ কেবল একটিমাত্র বৃত্তকেই **নীল/কালো বল পয়েন্ট পেন** দিয়ে ভরাট করতে হবে । একবার উত্তর চিহ্নিত করণ হয়ে গেলে, তা আর বদলানো যাবে না ।
3. পরীক্ষার্থীকে অবশ্যই মনে রাখতে হবে যে, উত্তর পত্রটিতে কিছুতেই ভাঁজ ফেলা চলবেনা, অন্য কোনো রকম দাগ লাগানো চলবে না । পরীক্ষার্থী তার ক্রমিক সংখ্যাটি (Roll No.) উত্তর পত্রে নির্ধারিত স্থান ছাড়া অন্য কোনোখানেই উল্লেখ করবেন না ।
4. পরীক্ষা পুস্তিকা এবং উত্তর পত্র সাবধানতার সঙ্গে নাড়াচাড়া করবেন । কোনো কারণে তা খারাপ বা নষ্ট হলে দ্বিতীয় পরীক্ষা পুস্তিকা দেওয়া হবে না । (শুধুমাত্র পরীক্ষা পুস্তিকা এবং উত্তর পত্রের কোড নম্বরের মধ্যে অমিল থাকলেই দ্বিতীয় পরীক্ষা-পুস্তিকা দেওয়া হবে ।)
5. পরীক্ষার্থী হাজিরী-পত্রে (Attendance Sheet) ঠিক মতো পরীক্ষা পুস্তিকা/উত্তর পত্রে মুদ্রিত পরীক্ষা পুস্তিকার কোড নম্বরটি লিখবেন ।
6. একটি মেশিন OMR উত্তর পত্রে কোড তথ্য পড়বে । অতএব কোনও তথ্য অপূর্ণ রাখা উচিত নয় এবং এটি প্রবেশ পত্রের দেওয়া তথ্যের থেকে পৃথক হওয়া উচিত নয় ।
7. পরীক্ষার্থীকে কেবল প্রবেশ পত্র বা Admit Card ছাড়া অন্য কোনো পাঠ্য বস্তু, ছাপা বা হাতে-লেখা, কাগজের টুকরো, পেজার, মোবাইল ফোন, বৈদ্যুতিক উপকরণ বা অন্য কোনো দ্রব্য নিয়ে পরীক্ষা হল/কক্ষ ঢুকতে দেওয়া হবে না ।
8. মোবাইল ফোন, ওয়্যারলেস যোগাযোগ ডিভাইস (এমনকি সুইচড অফ মোডে থাকা) এবং অন্যান্য নিষিদ্ধ আইটেমগুলিকে পরীক্ষার হল/কক্ষ আনতে হবে না । এই নির্দেশনা মেনে চলতে ব্যর্থ হওয়া পরীক্ষায় অন্যায্য উপায় হিসাবে বিবেচিত হবে এবং পরীক্ষার বাতিলসহ পরীক্ষার্থীর বিরুদ্ধে ব্যবস্থা নেওয়া হবে ।
9. পরীক্ষা-নিরীক্ষক চাইলে পরীক্ষার্থী তার প্রবেশ পত্র তাঁকে দেখাবেন ।
10. কেন্দ্র পরীক্ষা-নিরীক্ষক বা তত্ত্বাবধায়কের অনুমতি ছাড়া পরীক্ষার্থী তার আসন ছেড়ে উঠবেন না ।
11. কর্মরত নিরীক্ষকের হাতে নিজের উত্তর পত্র জমা না দিয়ে এবং হাজিরী-পত্রে দুবার স্বাক্ষর না করে পরীক্ষার্থী পরীক্ষার হল/কক্ষ থেকে বেরোবেন না । যদি কোনো পরীক্ষার্থী হাজিরী-পত্রে দ্বিতীয় বার স্বাক্ষর না করেন, তবে এটাই ধরে নেওয়া হবে যে তিনি তাঁর উত্তর পত্র জমা করেন নি – এবং ব্যাপারটিকে দন্ডনীয় অপরাধ হিসেবে গণ্য করা হবে । **পরীক্ষার্থী নিজের বাম হস্তের বুড়ো আঙ্গুলের নিশান হাজিরী-পত্রে উপযুক্ত স্থানে অবশ্য লাগাবেন ।**
12. ইলেক্ট্রনিক/হস্তচালিত ক্যালকুলেটরের ব্যবহার নিষিদ্ধ ।
13. পরীক্ষা হল/কক্ষ মধ্যে পরীক্ষার্থী পরীক্ষা-সংস্থা-নির্ধারিত যাবতীয় নীতি-নিয়ম মেনে চলতে বাধ্য । কোনো রকম অনভিপ্রেত আচরণের বিচার ও তার সিদ্ধান্ত পরীক্ষা-সংস্থা নিয়ম-অধিনিয়ম অনুযায়ীই সম্পন্ন হবে ।
14. কোনো রকম পরিস্থিতিতেই পরীক্ষা পুস্তিকা ও উত্তর পত্রের কোনো অংশ বিচ্ছিন্ন করা চলবে না ।
15. **পরীক্ষা শেষ হলে, পরীক্ষার্থী পরীক্ষা কক্ষ/হল ছাড়ার আগে তাঁর উত্তর পত্রটি অবশ্যই নিরীক্ষকের হাতে জমা দেবেন । পরীক্ষা পুস্তিকাটি অবশ্য জমা করার দরকার নেই – পরীক্ষার্থী সেটা নিজের সঙ্গে নিয়ে যেতে পারেন ।**

**READ THE FOLLOWING INSTRUCTIONS CAREFULLY :**

1. The manner in which the different questions are to be answered has been explained in the Test Booklet which you should read carefully before actually answering the questions.
2. Out of the four alternatives for each question, only one circle for the correct answer is to be darkened completely with **Blue/Black Ball Point Pen** on **Side-2** of the OMR Answer Sheet. The answer once marked is not liable to be changed.
3. The candidates should ensure that the Answer Sheet is not folded. Do not make any stray marks on the Answer Sheet. Do not write your Roll No. anywhere else except in the specified space in the Answer Sheet.
4. Handle the Test Booklet and Answer Sheet with care, as under no circumstances (except for discrepancy in Test Booklet Code or Number and Answer Sheet Code or Number), another set will be provided.
5. The candidates will write the correct Test Booklet Code and Number as given in the Test Booklet/Answer Sheet in the Attendance Sheet.
6. A machine will read the coded information in the OMR Answer Sheet. Hence, no information should be left incomplete and it should not be different from the information given in the Admit Card.
7. Candidates are not allowed to carry any textual material, printed or written, bits of papers, pager, mobile phone, electronic device or any other material except the Admit Card inside the Examination Hall/Room.
8. Mobile phones, wireless communication devices (even in switched off mode) and the other banned items should not be brought in the examination halls/rooms. Failing to comply with this instruction, will be considered as using unfair means in the examination and action will be taken against the candidate including cancellation of examination.
9. Each candidate must show on demand his / her Admit Card to the Invigilator.
10. No candidate, without special permission of the Centre Superintendent or Invigilator, should leave his / her seat.
11. The candidates should not leave the Examination Hall/Room without handing over their Answer Sheet to the Invigilator on duty and sign the Attendance Sheet twice. Cases where candidate has not signed the Attendance Sheet second time will be deemed not to have handed over the Answer Sheet and dealt with as an unfair means case. **The candidates are also required to put their left-hand THUMB impression in the space provided in the Attendance Sheet.**
12. Use of Electronic/Manual Calculator is prohibited.
13. The candidates are governed by all Rules and Regulations of the Examining Body with regard to their conduct in the Examination Hall/Room. All cases of unfair means will be dealt with as per Rules and Regulations of the Examining Body.
14. No part of the Test Booklet and Answer Sheet shall be detached under any circumstances.
15. **On completion of the test, the candidate must hand over the Answer Sheet to the Invigilator in the Room/Hall. The candidates are allowed to take away this Test Booklet with them.**

**निम्नलिखित निर्देशों को ध्यान से पढ़ें :**

1. जिस प्रकार से विभिन्न प्रश्नों के उत्तर दिए जाने हैं उसका वर्णन परीक्षा पुस्तिका में किया गया है, जिसे आप प्रश्नों का उत्तर देने से पहले ध्यान से पढ़ लें।
2. प्रत्येक प्रश्न के लिए दिए गए चार विकल्पों में से सही उत्तर के लिए OMR उत्तर पत्र के पृष्ठ-2 पर केवल एक वृत्त को ही पूरी तरह नीले/काले बॉल पॉइंट पेन से भरें। एक बार उत्तर अंकित करने के बाद उसे बदला नहीं जा सकता है।
3. परीक्षार्थी सुनिश्चित करें कि इस उत्तर पत्र को मोड़ा न जाए एवं उस पर कोई अन्य निशान न लगाएँ। परीक्षार्थी अपना अनुक्रमांक उत्तर पत्र में निर्धारित स्थान के अतिरिक्त अन्यत्र न लिखें।
4. परीक्षा पुस्तिका एवं उत्तर पत्र का ध्यानपूर्वक प्रयोग करें, क्योंकि किसी भी परिस्थिति में (केवल परीक्षा पुस्तिका एवं उत्तर पत्र के कोड या संख्या में भिन्नता की स्थिति को छोड़कर) दूसरी परीक्षा पुस्तिका उपलब्ध नहीं करायी जाएगी।
5. परीक्षा पुस्तिका/उत्तर पत्र में दिए गए परीक्षा पुस्तिका कोड व संख्या को परीक्षार्थी सही तरीके से उपस्थिति-पत्र में लिखें।
6. OMR उत्तर पत्र में कोडित जानकारी को एक मशीन पढ़ेगी। इसलिए कोई भी सूचना अधूरी न छोड़ें और यह प्रवेश पत्र में दी गई सूचना से भिन्न नहीं होनी चाहिए।
7. परीक्षार्थी द्वारा परीक्षा हॉल/कक्ष में प्रवेश पत्र के सिवाय किसी प्रकार की पाठ्य सामग्री, मुद्रित या हस्तलिखित, कागज़ की पर्चियाँ, पेजर, मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण या किसी अन्य प्रकार की सामग्री को ले जाने या उपयोग करने की अनुमति नहीं है।
8. मोबाइल फोन, बेतार संचार युक्तियाँ (स्विच ऑफ अवस्था में भी) और अन्य प्रतिबंधित वस्तुएँ परीक्षा हॉल/कक्ष में नहीं लाई जानी चाहिए। इस सूचना का पालन न होने पर इसे परीक्षा में अनुचित साधनों का प्रयोग माना जाएगा और परीक्षार्थी के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी, परीक्षा रद्द करने सहित।
9. पूछे जाने पर प्रत्येक परीक्षार्थी, निरीक्षक को अपना प्रवेश-पत्र दिखाएँ।
10. केन्द्र अधीक्षक या निरीक्षक की विशेष अनुमति के बिना कोई परीक्षार्थी अपना स्थान न छोड़ें।
11. कार्यरत निरीक्षक को अपना उत्तर पत्र दिए बिना एवं उपस्थिति-पत्र पर दुबारा हस्ताक्षर किए बिना परीक्षार्थी परीक्षा हॉल/कक्ष नहीं छोड़ेंगे। यदि किसी परीक्षार्थी ने दूसरी बार उपस्थिति-पत्र पर हस्ताक्षर नहीं किए तो यह माना जाएगा कि उसने उत्तर पत्र नहीं लौटाया है और यह अनुचित साधन का मामला माना जाएगा। **परीक्षार्थी अपने बाएँ हाथ के अंगूठे का निशान उपस्थिति-पत्र में दिए गए स्थान पर अवश्य लगाएँ।**
12. इलेक्ट्रॉनिक/हस्तचालित परिकलक का उपयोग वर्जित है।
13. परीक्षा-हॉल/कक्ष में आचरण के लिए परीक्षार्थी परीक्षण संस्था के सभी नियमों एवं विनियमों द्वारा नियमित हैं। अनुचित साधनों के सभी मामलों का फैसला परीक्षण संस्था के नियमों एवं विनियमों के अनुसार होगा।
14. किसी भी परिस्थिति में परीक्षा पुस्तिका और उत्तर पत्र का कोई भाग अलग न करें।
15. **परीक्षा सम्पन्न होने पर, परीक्षार्थी कक्ष/हॉल छोड़ने से पूर्व उत्तर पत्र निरीक्षक को अवश्य सौंप दें। परीक्षार्थी अपने साथ इस परीक्षा पुस्तिका को ले जा सकते हैं।**